(AJMER NAVJYOTI
11th Sept. 2006)

कथक की बगिया में 'महुआ'

कथक नृत्यांगना महुआ शंकर ने शास्त्री नृत्य कला की नायाब प्रस्तुति दी परंपरागत विषयों के साथ नवीन विषयों की प्रस्तुति ने दर्शकों को बांधे रखा।

भास्कर न्यूज. अजमेर

संस्कृति स्कूल में रविवार को स्पिक मैके की ओर से आयोजित कार्यक्रम में महुआ शंकर ने परंपरागत छेड़छाड़, दग की तिहाई समेत नवीन विषयों पर आधारित नृत्यों की प्रस्तुति देकर दर्शकों को भावविभोर कर दिया। देवदास फिल्म के 'काहे छेड़ छेड़ मोहे गड़वा...' के गीत पर शंकर के नृत्य को दर्शकों ने सराहा। राधा से श्रीकृष्ण के ठिठोली प्रसंग को शंकर ने अपनी मुख और नयन मुद्राओं से साकार कर दिया। कृष्ण की शरारतों से तंग आई राधा के विभिन्न रूपों को भी उन्होंने बखूबी निभाया। होली खेल रहे राधा-कृष्ण के प्रसंग को उन्होंने छेड़छाड़ के जरिए साकार किया। पिचकारी से राधा पर रंग फेंक रहे कृष्ण की अदाओं को देख दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। राधा की भावना और मुख भावों ने भी दर्शकों के दिल पर गहरी छाप छोड़ी।

घुंघुरुओं की झंकार और तबले की थाप के बीच किए जब शंकर ने 16 चक्करों का घुमाव पेश किया तो दर्शक दाद दिए बिना नहीं रह सके। इससे पूर्व शंकर ने पं. बिरजू महाराज द्वारा कथक में समावेश किए नए विषयों और बंदिशों से दर्शकों को रूबरू कराया।

आसमां में उड़ती चिड़िया के विविध आयाम और उसकी रफ्तार को शंकर ने पताका के जरिए पेश किया। पताका के साथ मुख और नयनों के तालमेल को देख दर्शक गदगद हो उठे। उम्र के तीनों पड़ावों को उन्होंने जब नृत्य शैली में ढाला तो दर्शक प्रतिभा के कायल हो गए। उन्होंने बचपन की नटखट अदाएं, जवानी की उमंग और बुढ़ापे में इंसान की कैफियत को बखूबी पेश किया। बॉल खेलने और बॉल कैच करने के अंदाजों को भी शंकर ने विभिन्न भावों के जरिए पेश किया।

इधर तबले पर संगत कर रहे आरिफ खान ने भी अपनी कला के जौहर दिखाए। उन्होंने तबले के माध्यम से दिल की धड़कन के विभिन्न रूपों को पेश किया। उन्होंने सामान्य धड़कन और हॉर्ट अटैक के दौरान होने वाली धड़कन को पेश किया। उन्होंने कहा कि इंसान के दिल की धड़कन में भी एक रिदम होती है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसपी सुनील माथुर थे। स्पिकमैके संस्था के संयोजक रजनीश शर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया।

■ संस्कृति स्कूल में कथक नृत्यांगना महुआ भावपूर्ण मुद्रा में।